(d) to (f). The Governments of West Bengal, Assam, Orissa, Bihar and Madhya Pradesh have sought financial assistance during the current year to meet the situation created by floods/drought in their States. Under the present policy of assistance in this regard, financial assistance from the Centre will be provided, where absolutely essential, only by way of advance of Plan assistance or assistance under drought prone areas programme and tribal development Plan provisions. Any such advance assistance will, however, be set off against the normal Plan assistance due to the State in the succeeding year. Such advance of Plan assistance will be considered after the State Governments have taken steps to fully utilize the margin money provided by the Finance Commission for relief expenditure, to divert Plan funds from various sectors as well as from the non-affected areas of the State to development works in the affected areas, to provide employment to the affected population on continuing major and medium irrigation projects and other works included in the Plan, to fit relief employment programmes into specific schemes under the drought prone areas programme, tribal development Plan provisions etc., and to raise additional resources for financial relief expenditures to the extent possible.

The drought/flood situation in the above mentioned States has been assessed by the Centre and the question of provision of Central assistance to them in terms of the present policy is under consideration.

केन्द्रीय सेवाओं में नई भर्ती पर लगी रोक के परिणामस्वरूप बचत

4366. **श्री भगत राम मनहर** : क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) केन्द्रीय सरकार द्वारा मितव्ययता के कारण केन्द्रीय सेवाओं में नई भर्ती पर प्रतिबन्ध लगाने के परिणामस्वरूप चालू वर्ष में कितनी बचत होने का अनुमान है; और

(ख) क्या प्रतिबन्धों में कुछ अपवाद भी है और यदि हां, तो वे क्या क्या है और इसके क्या कारण हैं ?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री प्रणव कुमार मुखर्जी) : (क) इस समय कोई सही अनुमान लगाना सभव नही है कि नई भर्ती पर प्रतिबन्ध लगाने के परिणामस्वरूप चालू वर्ष मे कितनी बचत होगी क्योंकि यह कई कारणो पर निर्भर करती है, जिनका प्रभाव केवल वर्ष मे आगे चल कर ही ज्ञात होगा। प्रतिबन्ध के कुछ अपवाद है स्थानान्तरण पदोन्नति, प्रतिनियुक्ति या अन्य स्थानो पर फालतू पाये गये कर्मचारियों के समायोजन द्वारा भी रिक्त स्थानो को भरने की अनुमति है। इस लिए इससे कुल मिला कर पडने वाला प्रभाव केवल चालू वित्तीय वर्ष की समाप्ति पर ही ज्ञात होगा।

(ख) नई भर्ती पर प्रतिबन्ध, तकनीकी और प्रचालनात्मक पदो, टाइपिस्टों तथा आशुलिपिकों के पदों और मधलोक सेवा आयोग के माध्यम से भरे जाने वाले संगठित सवर्गो के पदो पर लागू नही होता है। ये अपवाद आवश्यक समझे गये है। क्योंकि अन्यथा कुछ आवश्यक क्षेत्रों मे काम की हानि होगी तथा लोक हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा नियमित रुप से संगठित सेवाओं के लिये उचित प्रबध की भी आवश्यकता है।

Fall in Profit of L.I.C.

4367. SHRI Y. ESWARA REDDY:
SHRI N. K. SANGHI:

Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) whether the profit of the L.I.C. has fallen substantially in the year ended March, 1974;